चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 11 अगस्त 2026, अंक –333.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

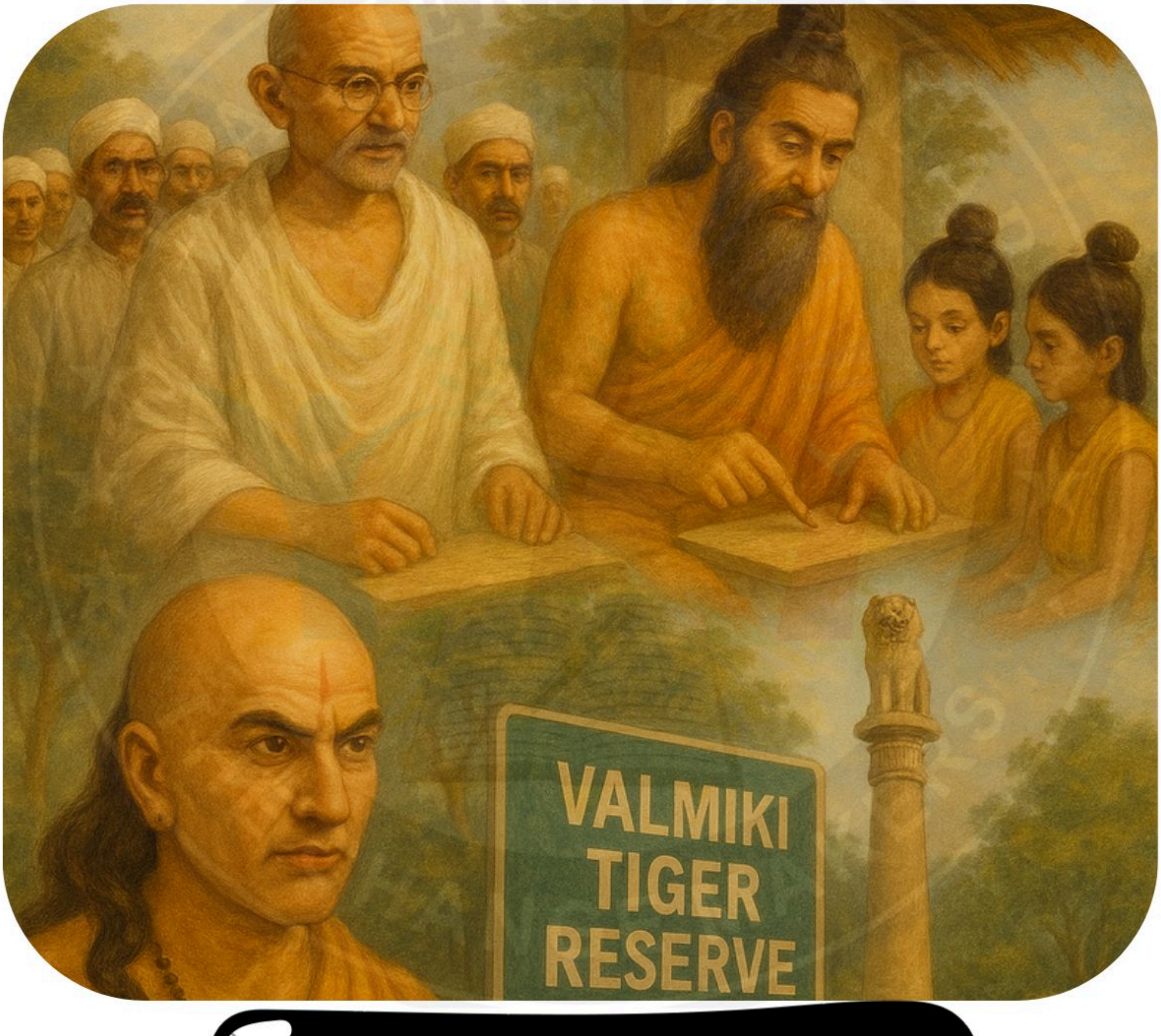

"पुस्तकों में महान पुरुषों की आत्मा निवास करती है।"

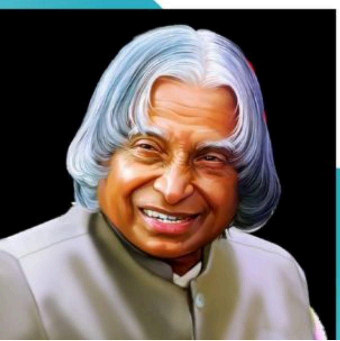

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

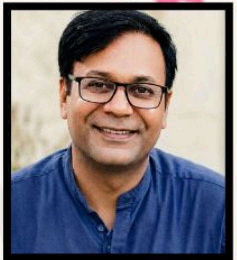

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. फिलीपींस की राजधानी क्या है?
उत्तर: मनीला
प्रश्न 2. नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय कौन थे?
उत्तर: रवीन्द्रनाथ ठाकुर
प्रश्न 3. 'पाइका' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: झारखंड
प्रश्न 4. एक संख्या के सभी गुणनखंडों में सबसे छोटा धनात्मक गुणनखंड क्या होता है?
उत्तर: 1
प्रश्न 5. बिहार का 'किला मुबारक' किस शहर में स्थित है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान किस जीव के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है?
उत्तर: एक सींग वाला गैंडा
प्रश्न 7. बारोमीटर का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: एवेंजेलिस्ता टॉरिसेली
प्रश्न 8. भारत में बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार किस आयु वर्ग के लिए है?
उत्तर: 6–14 वर्ष
प्रश्न 9. 'जो दूसरों का भला करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: परोपकारी
प्रश्न 10. जल का वाष्प में बदलना क्या कहलाता है?
उत्तर: वाष्पीकरण

संकलन:-
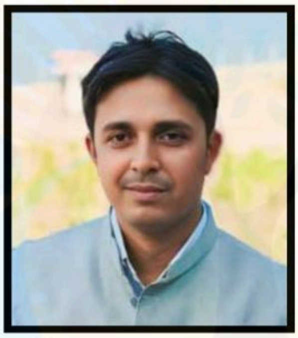
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Kitchen – (किचन) – रसोईघर
Stove – (स्टोव) – चूल्हा / स्टोव
Utensil – (यूटेंसिल) – बर्तन
Plate – (प्लेट) – थाली / प्लेट
Spoon – (स्पून) – चम्मच
Cup – (कप) – प्याला / कप
Meal – (मील) – भोजन

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: “तुम क्या ... करोगे/करोगी?” (What will you ...?)

तुम क्या खाओगे/खाओगी? – What will you eat?
तुम क्या पढ़ोगे/पढ़ोगी? – What will you study?
तुम क्या खरीदोगे/खरीदोगी? – What will you buy?
तुम क्या लिखोगे/लिखोगी? – What will you write?
तुम क्या सीखोगे/सीखोगी? – What will you learn?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

प्र.1. 11 अगस्त को बिहार में किस ऐतिहासिक बलिदान की स्मृति मनाई जाती है जो 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन से जुड़ा है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: पटना सचिवालय गोलीकांड — सात अमर शहीदों की पुण्यतिथि

व्याख्या: 11 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन के तीसरे दिन पटना के सचिवालय भवन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का प्रयास कर रहे सात युवा छात्रों को ब्रिटिश पुलिस ने गोली मार दी। ये सात अमर शहीद थे: उमाकांत प्रसाद सिन्हा, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगत्पति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेंद्र सिंह और रामगोविंद सिंह। इनकी स्मृति में पटना सचिवालय के सामने "शहीद स्मारक" स्थापित है जो बिहार की आन-बान-शान का प्रतीक है। यह घटना भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बिहार में जन-उभार की पराकाष्ठा थी। 11 अगस्त को बिहार में इन शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

संदर्भ: Bihar GK BPSC Reference — Patna Secretariat Golikand 1942;

प्र.2. 9 अगस्त 2026 को नागासाकी परमाणु बमबारी (1945) की 81वीं वर्षगाँठ मनाई गई — नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बम का क्या नाम था? (समसामयिक घटना)

उत्तर: फैट मैन (Fat Man)

व्याख्या: 9 अगस्त 2026 को जापान के नागासाकी में शांति पार्क में 81वीं वर्षगाँठ समारोह में 90 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सुबह 11:02 बजे मौन रखा — ठीक उसी समय जब 1945 में "फैट मैन" बम गिराया गया था। नागासाकी के मेयर ने परमाणु हथियारों को "पूर्ण बुराई" (Absolute Evil) बताया। 6 अगस्त 1945 को हिरोशिमा पर "लिटिल बॉय" (Little Boy — यूरेनियम बम) और 9 अगस्त 1945 को नागासाकी पर "फैट मैन" (Fat Man — प्लूटोनियम बम) गिराया गया था। दोनों विस्फोटों में 2 लाख से अधिक लोग मारे गए। 15 अगस्त 1945 को जापान ने आत्मसमर्पण किया। भारत ने "परमाणु अप्रसार संधि" (NPT) पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

संदर्भ: tribuneindia.com Nagasaki 81st Anniversary, 9 August 2026;

प्र.3. "जल" (Water) विषय पर लिखी गई रामधारी सिंह "दिनकर" की किस रचना में बिहार की नदियों और जल-संस्कृति का काव्यमय वर्णन है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: "उर्वशी" एवं "रश्मिरथी" में (नदी-प्रकृति का वर्णन)

व्याख्या: रामधारी सिंह "दिनकर" (23 सितंबर 1908 – 24 अप्रैल 1974) बिहार के बेगूसराय जिले के सिमरिया घाट (गंगा तट) पर जन्मे थे — वे "राष्ट्रकवि" कहलाते हैं। उनकी प्रमुख कृतियाँ: "रश्मिरथी" (1952), "उर्वशी" (1961, ज्ञानपीठ पुरस्कार 1972), "कुरुक्षेत्र", "हुँकार", "सामधेनी"। "उर्वशी" में नदी-प्रकृति और प्रेम का काव्यमय वर्णन है। "रश्मिरथी" में कर्ण के माध्यम से गंगा-तट की संस्कृति है। दिनकर पद्म भूषण (1959) और राज्यसभा सदस्य भी रहे। अगस्त माह में "पेयजल और जल-स्वच्छता" विषय के संदर्भ में बिहार के "नदी-पुत्र" दिनकर की जल-सांस्कृतिक विरासत का स्मरण प्रासंगिक है।

संदर्भ: रामधारी सिंह दिनकर — "उर्वशी", 1961;

प्र.4. "पेयजल में नाइट्रेट प्रदूषण" (Nitrate Contamination) किस कृषि कार्यकलाप से होता है और इससे शिशुओं में कौन सा रोग होता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से; ब्लू बेबी सिंड्रोम (Methemoglobinemia)

व्याख्या: नाइट्रेट प्रदूषण तब होता है जब खेतों में अत्यधिक मात्रा में नाइट्रोजनी उर्वरक (यूरिया, DAP) डाले जाते हैं — वर्षा और सिंचाई के जल के साथ ये नाइट्रेट भूजल में पहुँच जाते हैं। WHO की सुरक्षित सीमा: 50 mg/L। इससे 6 माह से कम आयु के शिशुओं में "ब्लू बेबी सिंड्रोम" (Blue Baby Syndrome / Methemoglobinemia) होता है: नाइट्रेट रक्त में ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता घटा देता है जिससे शिशु का रंग नीला पड़ जाता है। बिहार के उत्तरी जिलों में गहन कृषि क्षेत्रों में भूजल में नाइट्रेट की अधिकता एक उभरती समस्या है। जैविक खेती और उचित उर्वरक प्रबंधन इसका समाधान है।

संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 18 Pollution of Air and Water, p. 216–217;

प्र.5. "परमाणु अप्रसार संधि" (NPT — Non-Proliferation Treaty) कब प्रभावी हुई और भारत ने इस पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किए? (इतिहास)

उत्तर: 1970 में; भेदभावपूर्ण प्रकृति के कारण

व्याख्या: "परमाणु अप्रसार संधि" (NPT) 1 जुलाई 1968 को खुली और 5 मार्च 1970 को प्रभावी हुई। इसके तहत पाँच "परमाणु-हथियार संपन्न राज्य" (P5 — USA, Russia, UK, France, China) अपने परमाणु हथियार बनाए रख सकते हैं, जबकि अन्य देशों को परमाणु हथियार विकसित करने पर प्रतिबंध है। भारत ने NPT पर हस्ताक्षर इसलिए नहीं किए क्योंकि: (1) यह P5 देशों का विशेषाधिकार बनाए रखता है — भेदभावपूर्ण; (2) भारत "सार्वभौमिक निरस्त्रीकरण" चाहता है; (3) पाकिस्तान-चीन का परमाणु खतरा। भारत ने 1974 (पोखरण-I) और 1998 (पोखरण-II) में परमाणु परीक्षण किए। 2008 में "भारत-US असैनिक परमाणु समझौता" हुआ।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 12, Ch 3 US Hegemony in World Politics, p. 62;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "भारत में भूजल संसाधन" के संदर्भ में "केंद्रीय भूजल बोर्ड" (CGWB) की स्थापना कब हुई और यह किसके अंतर्गत कार्य करता है? (भूगोल)

उत्तर: 1972 में; जल शक्ति मंत्रालय (Ministry of Jal Shakti)

व्याख्या: "केंद्रीय भूजल बोर्ड" (Central Ground Water Board — CGWB) की स्थापना 1972 में हुई थी। यह "जल शक्ति मंत्रालय" (Ministry of Jal Shakti) के अंतर्गत कार्यरत एक शीर्ष राष्ट्रीय संस्था है जो भूजल संसाधनों की वैज्ञानिक जाँच, अन्वेषण, मूल्यांकन, विकास और प्रबंधन का कार्य करती है। CGWB भूजल के "अत्यधिक दोहन" (Over-Exploitation) और जल गुणवत्ता (आर्सेनिक, फ्लोराइड, नाइट्रेट) की राष्ट्रीय निगरानी करता है। भारत विश्व में भूजल का सर्वाधिक उपभोक्ता देश है। "अटल भूजल योजना" (ABHY, 2019) भूजल प्रबंधन की प्रमुख केंद्रीय योजना है।

संदर्भ: CGWB Official — cgwb.gov.in; NCERT Geography Class 10, Ch 3 Water Resources, p. 25–27;

प्र.7. भारत में "जल अधिकार" (Right to Water) को किस संवैधानिक अनुच्छेद के अंतर्गत "जीवन के अधिकार" का भाग माना जाता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 21

व्याख्या: भारतीय संविधान में "जल का अधिकार" (Right to Water) को स्पष्ट रूप से नहीं लिखा गया है, किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 21 ("प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार") की व्यापक व्याख्या करते हुए इसे मूल अधिकार माना है। "सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य (1991)" वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि स्वच्छ पेयजल का अधिकार अनुच्छेद 21 का अभिन्न अंग है। "नीति निदेशक तत्वों" (DPSP) के अनुच्छेद 47 में राज्य का दायित्व है कि पोषण स्तर और जनस्वास्थ्य में सुधार करे। "जल जीवन मिशन" इसी संवैधानिक दायित्व का व्यावहारिक रूप है।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 9, Ch 5 Democratic Rights;

प्र.8. "ORS" (Oral Rehydration Solution) का घरेलू उपाय क्या है और यह डायरिया में किस प्रकार जीवन बचाता है? (विज्ञान)

उत्तर: 1 लीटर शुद्ध जल + 6 चम्मच चीनी + 1/2 चम्मच नमक; जल-लवण संतुलन बहाल करता है

व्याख्या: "ORS" (Oral Rehydration Solution — मुखीय जल-पुनर्जलीकरण घोल) डायरिया में जीवन-रक्षक उपाय है। घरेलू ORS: 1 लीटर उबले और ठंडे शुद्ध पेयजल में 6 स्तरीय (Level) चम्मच चीनी (30 ग्राम) और आधा स्तरीय चम्मच नमक (2.5 ग्राम) मिलाएँ। डायरिया में आँतें जल और इलेक्ट्रोलाइट (Na^+, Cl^-) तेज़ी से बाहर कर देती हैं जिससे "निर्जलीकरण" (Dehydration) होती है। ORS में ग्लूकोज और सोडियम का अनुपात आँत में जल-अवशोषण की "को-ट्रांसपोर्ट" प्रक्रिया को सक्रिय करता है। WHO और UNICEF ORS को "20वीं शताब्दी की सबसे बड़ी चिकित्सा खोज" मानते हैं। बाढ़ और पेयजल-प्रदूषण के बाद बिहार में ORS वितरण आवश्यक है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 Life Processes — Digestion;

प्र.9. "पिछवाई चित्रकला" (Pichwai Painting) किस राज्य की और किस मंदिर परंपरा से जुड़ी है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: राजस्थान; श्रीनाथजी मंदिर (नाथद्वारा), वल्लभ संप्रदाय

व्याख्या: "पिछवाई चित्रकला" (Pichwai Painting) राजस्थान के "नाथद्वारा" (राजसमंद जिला) में वल्लभ संप्रदाय की पुष्टि मार्ग परंपरा से उत्पन्न एक विशिष्ट धार्मिक चित्र शैली है। "पिछवाई" का अर्थ है "पीछे लटकाई जाने वाली वस्तु" — ये बड़े-बड़े वस्त्र-चित्र श्रीनाथजी (भगवान कृष्ण का स्वरूप) की प्रतिमा के पीछे मंदिर में लटकाए जाते हैं। इनमें गोवर्धन लीला, रास लीला, दानलीला और विभिन्न ऋतुओं का चित्रण होता है। प्राकृतिक रंग, सोने-चाँदी का उपयोग और महीन रेखाकारी इसकी विशेषताएँ हैं। इसे GI Tag प्राप्त है।

संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 9 Miniature Painting, p. 120;

प्र.10. बिहार के "सिमरिया घाट" (बेगूसराय) का साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व क्या है? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जन्मस्थली; गंगा तट पर साहित्यिक तीर्थ

व्याख्या: "सिमरिया घाट" बिहार के बेगूसराय जिले में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह "राष्ट्रकवि" रामधारी सिंह दिनकर का जन्मस्थान है (जन्म: 23 सितंबर 1908)। दिनकर ने अपनी कविताओं में गंगा के इस तट और बिहार की माटी का जीवंत चित्रण किया। बिहार सरकार ने सिमरिया को "दिनकर स्मृति वन" और "दिनकर सेतु" से सुशोभित किया है। प्रतिवर्ष दिनकर जयंती (23 सितंबर) पर यहाँ भव्य साहित्यिक समारोह आयोजित होते हैं। पेयजल शुद्धता के संदर्भ में — सिमरिया क्षेत्र में गंगा नदी के जल-प्रदूषण नियंत्रण हेतु "नमामि गंगे" परियोजना के अंतर्गत STP (Sewage Treatment Plant) निर्मित है।

संदर्भ: Bihar Tourism — Simariya Ghat; Ramdhari Singh Dinkar Memorial Records;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 ("पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय") के अनुसार – विद्यालय के "पानी की टंकी" और "हैंडपंप" की नियमित स्वच्छता के लिए क्या-क्या मानक अपनाए जाने चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: मासिक सफाई, क्लोरीन उपचार, ढक्कन बंद रखें, आसपास गंदगी न हो, त्रैमासिक जल-परीक्षण

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 ("पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय") के अंतर्गत विद्यालयों में "पेयजल स्रोत स्वच्छता" के लिए निम्न मानक अपनाए जाने चाहिए: (1) टंकी सफाई: प्रत्येक माह टंकी को खाली कर ब्रश से साफ करें और ब्लीचिंग पाउडर से कीटाणुमुक्त करें; (2) क्लोरीन उपचार: भरे जाने के बाद टंकी में उचित मात्रा में क्लोरीन घोल मिलाएँ; (3) ढक्कन: टंकी का ढक्कन सदैव बंद रखें – खुली टंकी में मच्छर पनपते हैं; (4) परिसर स्वच्छता: हैंडपंप/टंकी के 10 मीटर के दायरे में शौचालय, कचरा या पशु न हो; (5) त्रैमासिक जल-परीक्षण: जिला PHED कार्यालय से निःशुल्क जल-जाँच करवाएँ। ये मानक "जल जीवन मिशन" के "WASH" प्रोटोकॉल के अनुरूप हैं।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W2 – "पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय";

प्र.12. एक स्कूल में 200 छात्रों के पेयजल परीक्षण में पाया गया कि 40% बच्चे दूषित जल पी रहे थे। यदि उनमें से 50% को दस्त (Diarrhoea) हो गया और दस्त से पीड़ित 30% को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, तो कुल कितने बच्चों को अस्पताल जाना पड़ा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 12 बच्चे

व्याख्या: दूषित जल पीने वाले = 200 का 40% = 80 बच्चे। दस्त पीड़ित = 80 का 50% = 40 बच्चे। अस्पताल भर्ती = 40 का 30% = 12 बच्चे। यह प्रश्न "श्रृंखलाबद्ध प्रतिशत" (Successive Percentage) का व्यावहारिक उदाहरण है जो BPSC, SSC, Bank PO परीक्षाओं में "Percentage" खंड में प्रायः पूछा जाता है। साथ ही यह अगस्त W2 के "पेयजल अशुद्धता से होने वाले खतरों" को गणितीय रूप में प्रस्तुत करता है – जागरूकता और संख्या-कौशल का अद्भुत संगम।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 Comparing Quantities – Percentage, p. 156–161;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

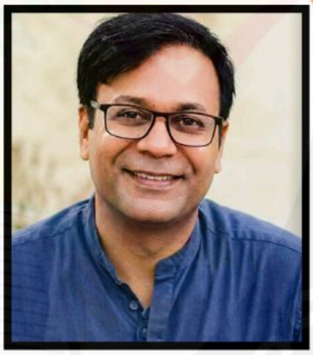

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Quibble (क्विबल) = Argue (आर्ग्यू) = छोटी-छोटी बातों पर बहस करना / तुच्छ आपत्ति करना
  Antonym – Agree (अग्री) = सहमत होना

Revere (रिवियर) = Respect (रिस्पेक्ट) = श्रद्धा / गहरा सम्मान करना
  Antonym – Disrespect (डिसरिस्पेक्ट) = अनादर करना

Salient (सेलिएन्ट) = Prominent (प्रॉमिनेन्ट) = प्रमुख / महत्वपूर्ण
  Antonym – Inconspicuous (इनकन्स्पिक्युअस) = अप्रधान / अगोचर

Turmoil (टर्मोइल) = Confusion (कन्फ्यूज़न) = उथल-पुथल / अशांति
  Antonym – Tranquillity (ट्रैंक्विलिटी) = शांति

Uncanny (अनकैनी) = Strange (स्ट्रेंज) = रहस्यमय रूप से अजीब / विचित्र
  Antonym – Ordinary (ऑर्डिनरी) = सामान्य

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Launches 'National Supercomputing Mission Phase-IV' to Drive Advanced Semiconductor and AI Infrastructure.

हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने उन्नत सेमीकंडक्टर और एआई बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए 'राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन चरण-IV' का शुभारंभ किया।

भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने मिशन के चौथे चरण को अधिसूचित किया है। इसके तहत देश के शीर्ष आईआईटी और राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों में एआई-सक्षम सुपरकंप्यूटिंग हब, चिप-डिजाइनिंग लैब और सुपरकंडक्टिंग डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Urban Infrastructure Index 2026', Highlighting Smart Logistics and Green Mobility Progress.

हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय सतत शहरी अवसंरचना सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें स्मार्ट लॉजिस्टिक्स और हरित गतिशीलता की प्रगति को रेखांकित किया गया।

नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम सूचकांक में टिकाऊ शहरी परिवहन, मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, ई-बस बेड़े के सुदृढ़ीकरण और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अक्षय ऊर्जा के एकीकरण के मामले में तमिलनाडु, महाराष्ट्र और गुजरात ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह रिपोर्ट शहरी क्षेत्रों में कार्बन फुटप्रिंट कम करने की राष्ट्रीय रणनीति का मूल्यांकन करती है।

English Headline: ISRO Successfully Completes Flight Acceptance Hot Test of Indigenously Developed Semi-Cryogenic Engine Stage.

हिन्दी अनुवाद: इसरो ने स्वदेशी रूप से विकसित सेमी-क्रायोजेनिक इंजन चरण का उड़ान स्वीकृति हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल हॉट परीक्षण किया है। यह तकनीक भविष्य के भारी-पेलोड प्रक्षेपण वाहनों (LVM3) की भार वहन क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगी, जिससे भारत के वाणिज्यिक एवं गगनयान अभियानों को मजबूती मिलेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Historic Resolution Establishing Global Governance Standards for Responsible Artificial Intelligence.

हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने जिम्मेदार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए वैश्विक शासन मानक स्थापित करने वाला ऐतिहासिक प्रस्ताव अपनाया।

न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के विशेष सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने एआई प्रौद्योगिकियों के सुरक्षित, पारदर्शी और समावेशी उपयोग के लिए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव को मंजूरी दी। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य डेटा संप्रभुता की रक्षा करना, एल्गोरिथम पूर्वाग्रहों को समाप्त करना और विकासशील देशों में डिजिटल विभाजन को कम करना है।

English Headline: World Bank and Asian Infrastructure Investment Bank Announce Joint $2.6 Billion Fund for South Asian Clean Energy Corridors.

हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक ने दक्षिण एशियाई स्वच्छ ऊर्जा गलियारों के लिए संयुक्त $2.6 बिलियन के कोष की घोषणा की।

दक्षिण एशियाई क्षेत्र में हरित ऊर्जा संक्रमण को गति देने के लिए एक बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज स्वीकृत किया गया है। इस कोष का उपयोग मुख्य रूप से भारत, नेपाल और बांग्लादेश के बीच अंतर-देशीय सौर तथा जलविद्युत पारेषण (Transmission) लाइनों के आधुनिकीकरण और सीमा पार बिजली व्यापार को सुगम बनाने के लिए किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomics Surveillance Network 3.0' to Address Climate Risks.

हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जलवायु जोखिमों से निपटने के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक्स सर्विलांस नेटवर्क 3.0' की शुरुआत की।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण नए और उभरते संक्रामक रोगों के म्यूटेशन से उत्पन्न जोखिमों की समय रहते पहचान करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने इस उन्नत डिजिटल निगरानी प्लेटफॉर्म का विस्तार किया है। यह नेटवर्क जीनोम अनुक्रमण डेटा का विश्लेषण करके संभावित महामारियों के खिलाफ पूर्व चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Processing and Food Logistics Policy 2026' to Drive Rural Industrialization.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने ग्रामीण औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-प्रसंस्करण एवं खाद्य लॉजिस्टिक्स नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य में कृषि-आधारित उद्योगों को आधुनिकीकरण प्रदान करने और स्थानीय कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन (Value Addition) के लिए बिहार सरकार ने एक नया प्रोत्साहन पैकेज स्वीकृत किया है। इसके तहत मखाना, शाही लीची, कतरनी चावल और मक्का के प्रसंस्करण, कोल्ड स्टोरेज और निर्यात इकाइयों की स्थापना के लिए विशेष सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Tagging of Wetland Ecosystems in Kosi-Seemanchal Region.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने कोसी-सीमांचल क्षेत्र की आर्द्रभूमियों की जियो-टैगिंग शुरू की।
उत्तर-पूर्वी बिहार की समृद्ध आर्द्रभूमियों (Wetlands) और पारंपरिक जल निकायों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-आधारित मैपिंग और जियो-टैगिंग अभियान शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक जल निकायों के अतिक्रमण को रोकना, जलीय जैव विविधता का संरक्षण करना और क्षेत्र में भूजल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Squad Clinches Multiple Gold Medals in Recurve and Compound Events at World Archery Championship.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में रिकर्व और कंपाउंड स्पर्धाओं में कई स्वर्ण पदक अपने नाम किए।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्रतियोगिता के दौरान भारतीय पुरुषों और महिलाओं की टीमों ने कड़े मुकाबलों में शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदियों को हराकर स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए, जिससे भारत अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

English Headline: International Cricket Council (ICC) Formally Integrates AI-Powered Smart Boundary-Line Sensors for Error-Free Officiating.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने त्रुटिहीन अंपायरिंग के लिए एआई-संचालित स्मार्ट बाउंड्री-लाइन सेंसर को औपचारिक रूप से एकीकृत किया।
अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग के फैसलों को पूरी तरह से सटीक, पारदर्शी और त्वरित बनाने के उद्देश्य से आईसीसी ने अपनी खेल नियमावली में सुधार किया है। नए तकनीकी मानकों के तहत सीमा रेखा पर उच्च-सटीक कैमरों और एआई सेंसर का उपयोग किया जाएगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

"देशभक्ति का सच्चा अर्थ"

विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियाँ चल रही थीं। बच्चे देशभक्ति गीत, भाषण और सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी में व्यस्त थे।

राजू ने प्रधानाध्यापक से पूछा, “सर, देशभक्त बनने के लिए क्या हमें कोई बहुत बड़ा काम करना पड़ेगा? जैसे सीमा पर जाकर देश की रक्षा करना?”

प्रधानाध्यापक मुस्कुराए और बोले, “देश की रक्षा करने वाले सैनिक हमारे महान नायक हैं, लेकिन देशभक्ति केवल सीमा पर ही दिखाई दे, ऐसा नहीं है।”

अगले दिन विद्यालय के सामने सड़क पर कूड़े का ढेर लगा था। बच्चे नाक सिकोड़कर उसके पास से निकल रहे थे। तभी प्रधानाध्यापक ने झाड़ू उठाई और कूड़ा उठाने लगे।

राजू हैरान होकर बोला, “सर! आप यह काम क्यों कर रहे हैं?”

प्रधानाध्यापक ने कहा, “क्योंकि यह भी देशसेवा है। जिस सड़क पर हम चलते हैं, जिस विद्यालय में पढ़ते हैं और जिस समाज में रहते हैं, उसे स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है।”

यह देखकर राजू, सुनैना और दूसरे बच्चे भी उनके साथ सफाई में जुट गए। उन्होंने कूड़ा अलग-अलग करके उचित स्थान पर डाला और आसपास के लोगों से भी कूड़ा न फैलाने का आग्रह किया।

कुछ देर बाद वही स्थान साफ-सुथरा दिखाई देने लगा।

प्रधानाध्यापक ने बच्चों से कहा, “याद रखो, देशभक्ति केवल नारे लगाने या तिरंगा लहराने का नाम नहीं है। ईमानदारी से अपना काम करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, पानी-बिजली बचाना, पेड़ लगाना, स्वच्छता रखना और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना भी देशभक्ति है।”

राजू ने मुस्कुराकर कहा, “अब समझ गया सर—देशभक्ति बड़े काम की मोहताज नहीं, छोटी-छोटी जिम्मेदारियों से भी देश महान बनता है।”

सीख : देश के लिए कुछ करने के लिए हमेशा सीमा पर जाना जरूरी नहीं, अपने आसपास को बेहतर बनाना भी सच्ची देशभक्ति है। स्वच्छ गली, स्वच्छ विद्यालय, स्वच्छ गाँव—यही देशभक्ति की छोटी लेकिन सच्ची शुरुआत है।

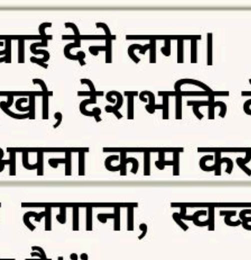

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026
बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : गया, अंक–1"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: गया: फल्गु का सलिला रूप, बराबर-रामशिला की पहाड़ियाँ और दक्षिणी पठारी भूगोल

भौगोलिक, प्रशासनिक और सामरिक दृष्टिकोण से गया केवल एक ज़िला नहीं, बल्कि मगध प्रमंडल का गौरवशाली मुख्यालय और संपूर्ण दक्षिण बिहार का सबसे बड़ा सांस्कृतिक व आर्थिक केंद्र है। इसकी सीमाएं उत्तर में जहानाबाद और अरवल, पूर्व में नवादा और जमुई, दक्षिण में झारखंड के चतरा व हज़ारीबाग तथा पश्चिम में औरंगाबाद ज़िले को स्पर्श करती हैं। ग्रैंड ट्रंक रोड (NH-19) और पूर्व मध्य रेलवे के ग्रैंड कॉर्ड रेलखंड पर स्थित होने के कारण गया उत्तर भारत को पूर्वी भारत और अंतरराष्ट्रीय वायु-मार्गों से जोड़ने वाला एक अनिवार्य सामरिक गलियारा है।

इस ज़िले के संपूर्ण भूगोल की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक पहचान फल्गु नदी (Falgu River) है। निरंजना (लीलजान) और मोहना नदियों के संगम से बनी फल्गु नदी का स्वरूप अत्यधिक अनूठा है। पौराणिक आख्यानों और भू-वैज्ञानिक संरचना के कारण फल्गु को 'अंतःसलिला' कहा जाता है, जिसकी ऊपरी सतह रेतीली और सूखी दिखाई देती है, परंतु रेत के ठीक नीचे जलधारा निरंतर प्रवाहित होती रहती है। फल्गु के अलावा पुनपुन, मोरहर और दर्धा नदियाँ भी इस ज़िले के धरातल को सींचती हैं।

भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से गया का भूगोल छोटानागपुर पठार की उत्तरी सीमांत पहाड़ियों और मगध के समतल मैदानी भू-भाग का एक अनूठा संगम है। यहाँ की बराबर (Barabar), नागार्जुनी, प्रेतशिला, रामशिला, ब्रह्मयोनि और दुंगेश्वरी पहाड़ियाँ क्वाटर्ज़ाइट, ग्रेनाइट और गनीस चट्टानों से निर्मित हैं, जो संपूर्ण ज़िले को एक सुरम्य और प्राचीन भू-आकृतिक ढांचा प्रदान करती हैं। ज़िले की मिट्टी मुख्य रूप से 'केवाल' (भारी दोमट), 'बलसुंदरी' और नदियों द्वारा लाई गई 'रेतीली दोमट' का मिश्रण है, जो धान और दलहनी फसलों के लिए अत्यंत अनुकूल है।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय शुष्क मानसूनी है। दक्षिणी पठारी निकटता के कारण गया अपने चरम मौसम के लिए जाना जाता है—गर्मियों में यह बिहार के सबसे गर्म स्थानों में शुमार रहता है, जबकि सर्दियों में यहाँ कड़ाके की ठंड पड़ती है। इस भौगोलिक ताने-बाने का प्रभाव स्थानीय आर्थिकी पर पड़ता है; जहाँ मैदानी भागों में धान, गेहूं और दलहन की सघन खेती होती है, वहीं फल्गु के रेतीले कछारों से होने वाला बालू खनन और पहाड़ियों के पास का निर्माण उद्योग स्थानीय अर्थव्यवस्था को वित्तीय तरलता प्रदान करता है। परंतु, फल्गु की मौसमी प्रकृति और गर्मियों में जल-स्तर का नीचे गिरना यहाँ के निवासियों के सामने एक प्रमुख भौगोलिक चुनौती बना रहता है।

फल्गु की अंतःसलिला धारा, ब्रह्मयोनि और रामशिला की पहाड़ियों के इस प्रामाणिक भौगोलिक विश्लेषण से मगध के इस ऐतिहासिक हृदयस्थल की भू-आकृति को समझने की एक वैज्ञानिक अंतर्दष्टि मिलती है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org